ninth meeting of the Indo Soviet Planning Group which provides a forum for bilateral exchange of planning experiences between the two countries was held recently. The subjects discussed were of a general nature relating to financing of annual and five years plans, foreign trade planning and execution of large housing construction projects in urban areas.

SHRI KALPNATH RAI : There is a big reserve of coal under the seabed of the Gulf of Cambay. This coal is very deep and it is not possible to mine it. Soviet Russia has developed a technique to turn the coal into gas and to take it out in the form of gas. I would like to know from the honourable Minister whether any help is sought from the USSR for exploitation of the reserve of coal in view of the present energy crisis.

SHRI AJIT PANJA : This has to be directed to the Energy Department.

SHRI KALPNATH RAI : What are the sectors in which agreement has taken place?

SHRI AJIT PANJA : The agreement that has taken place is general exchange of knowledge of various types of planning process, that is, how the planning process starts, how the funding is made in Soviet Russia, and also the form or the manner of funding and the process which is determine in India. It is, in fact, exchange of knowledge between the expert, of technical knowledge as to how a plan is made, how it is funded and implemented.

श्री चतुरानन मिश्र : सभापति महोदय सोवियत संघ में भारत द्वारा निर्मित कंज्यूमर गुड्स की पिछले वर्षों में काफी जरूरत रही है। हमारा ट्रेड भी उनके साथ लगातार बढ़ता रहा है। सोवियत संघ के साथ व्यापार में एक सुविधा है कि वहां हमारे लिए न फारेन एक्सचेंज की दिक्कत है और न वैसी कोई प्रोटेक्शनिस्ट पालिसी होती है। इसको देखते हुए वह बाजार ज्यादा दिनों के लिए अगर सुरक्षित रहे तो उसके लिए यह भी जरूरी है कि भारत में उस तरह के स्ट्रक्चरल चेंजेज किये जायें तो इसको देखते हुए क्या लोंग में प्लानिंग इसकी होगी ताकि 15 वर्ष के लिये वह बाजार हमारा रहे और उस मुताबिक भारत में हम चीजों को प्राप्त कर सके। तो क्या भारत सरकार ने इस दिशा में कोई कदम उठाया है कि हम उनके साथ ऐसा लोंग-टर्म एग्रीमेंट करें और .... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : All this is outside the question. Therefore, please sit down. Let him answer a few things at least.

SHRI AJIT PANJA : Sir, this does not arise out of the main question.

MR. CHAIRMAN : Kindly say something.

SHRI AJIT PANJA : Sir, only this much I can say: So far as the planning or producing consumer goods and the manner in which we are doing it are concerned, at the Planning Commission level, our experts and Soviet experts have exchanged views and we are taking the best from them and they are taking the best from us.

MR. CHAIRMAN : Very good. Now, Question No. 352, Mr. Gopalsamy.

Environmental pollution in major cities in the country

*352. SHRI L. GANESAN:
SHRI V. GOPALSAMY: †

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what steps the Central Government are taking to contain environmental pollution in major cities in the country;

† The question was actually asked on the floor of the House by Shri V. Gopalsamy.

(b) whether there is any proposal to clean the rivers in these citics from contamination and sewage flow and other industrial wastes;

(c) if so, what are the details thereof;

(d) whether there is any proposal to clean the Coovam river in Madras from emitting bad odour and polluting air; and

(e) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND IN THE DEPARTMENTS OF OCEAN DEVELOPMENT, ATOMIC ENERGY, ELECTRONICS AND SPACE (SHRI SHIVRAJ PATIL) : (a) to (c) The steps taken include the following:

(i) Industries are persuaded to instal pollution control measures and prosecution have been launched against defaulting ones.

(ii) Standards of effluents and emissions have been prescribed and industries have been directed to comply with the prescribed standards;

(iii) Water quality of the rivers in the country is being monitored continuously to asses the quality status;

(iv) River-basin studies for all the major rivers have been completed;

(v) Tax incentives are given for installation of pollution control;

(vi) Ganga Action Plan for cleaning the River Ganga has been launched; and

(vii) Procedure has been laid down for evironmental clearance before issue of licence and citing of polluting industries.

(d) No, Sir.

(e) Does not arise.

MR. CHAIRMAN : Yes, Mr. Gopalsamy.

SHRI V. GOPALSAMY : Mr. Chairman, Sir, our Party Office room has not been restored to us. I hope the honourable Prime Minister will intervene in this matter and solve this problem.

MR. CHAIRMAN : Is it a question.

SHRI V. GOPALSAMY: Therefore, I am not in a position to put my supplementaries.

MR. CHAIRMAN : All right. Please sit down. Yes, Mr. Satya Pal Malik.

श्री सत्यपाल मलिक : सभापति महोदय, शहरों में प्रदूषण और नदियों को साफ करने के कार्यक्रम के साथ साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण चीज की चर्चा है कि देश के हर बड़े शहर में श्रीमन दो या तीन बड़े गन्दे नाले बहते है और खुले में बहते है। जब यह शहर के बाहर निकलते है तो उन्हीं से सब्जी की काश्त की जाती है, उसी गंदे पानी से होती है और उस सब्जी को हम खाते है। मैं बताता हूं मध्यप्रदेश के एक शहर का नाम तो मैं नहीं लूंगा वहां गंदे नालों के नाम भी बड़े दिलचस्प है, जैसे स्वर्णरेखा है, कितने बड़े साहित्यिक नाम है, लेकिन गंदे खुले नाले पड़े है। तो मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या इन खुले गंदे नालों की सफाई की कोई योजना भी आपने बनायी है या नहीं ?

श्री शिवराज पाटिल : श्रीमन, गंगा के पानी को स्वच्छ करने का जो कार्यक्रम है, उसमें मुख्य बात तो यही है कि शहर का पानी या बाहर का गन्दा पानी जब नदी के पानी में मिल जाता है तो गंदा हो जाता है इसलिये शहर के गन्दे पानी को इस प्रकार से ले जाया जाय गांव के बाहर कि वह नदी में न जाये और इस प्रकार से इसका उपयोग किया जाय कि उससे देश को ऊर्जा प्राप्त हो जाय,

इस प्रकार से उसका यूज किया जाय कि खेती के लिये भी उसका उपयोग हो। तो यह गंगा नदी स्वच्छ करने का या दूसरे पानी को स्वच्छ करने का जो प्रोग्राम है, उसमें पानी स्वच्छ करने के बारे में तो है ही और यह अरबन डवलेपमेंट का काम है, उसके बाद स्टेट गवर्नमेंट से नीचे जाकर जो म्युनिसपेलिटी या कारपोरेशन है, उनका काम है उनको अपने आइडिये दे रहे है, उनको टेक्नोलोजी हम मदद दे रहे हैं और थोड़ा बहुत पैसा भी दे रहे है।

MR. CHAIRMAN : Yes, Dr. Shanti Patel.

DR. SHANTI G. PATEL : Sir, in addition to industries, the emission of smoke by the motor vehicles is the second most important factor which causes environmental pollution. What steps, if any, are proposed to be taken by the Government to bring about changes in the engines of these vehicles so as to prevent the emission of such gases?

Secondly, Sir, with regard to some of the industries which are hazardous and which refuse to comply with the requirements of the Departments concerned, does the Government think of shifting all sueh industries from the cities or from such sites?

SHRI SHIVRAJ PATIL : Sir, as far as the automobile industry is concerned, we are allowing the automobile industry to adopt new technologies and to take up the technologies which would help in reducing the pollution in the country, and at the time some research and development in this area is also being done. But that is not satisfactory. We shall have to do something more than that. As far as shifting the industry is concerned, it is a complex problem, and we shall have to take decisions, taking into account the kind of pollution created, or in which the industry is situated. The State Boards are given the authority to fix the standards, and we have to see whether they are following these standards or not, and the decision has to be taken not as a whole, saying that the industry will be shifted, but each case will have to be considered separately.

श्रीमति मैमूना सुल्तान : मैं यह पूछना चाहूंगी कि एनवाइरनमेंटल पोल्यूशन हमारे मुल्क के लिये बहुत बड़ा मसला है इसमें कोई शक नहीं और इसी लिये सरकार इसकी तरफ जितनी तवजज्ह दे रही है वह ठीक है, खासकर भोपाल में गैस के हादसे के बाद एनवाइनमेंटल पोल्यूशन बढ़ा हुआ है उसकी आपने कोई स्डडी की है ? भोपाल लेक से सारे शहर को पानी सप्लाई होता है, उसमें साइनाइड लेवल बढ़ा पाया गया जितना होना चाहिये उससे, क्या यह सही है, अगर सही है तो कितना बढ़ा हुआ है, और उसके बारे में आपने क्या किया ? आपको मालूम होगा कि इस लेक में, जहां से भोपाल वालों के लिये पीने का पानी सप्लाई होता है, सारा सीवेज जाता है और भोपाल वालों में गैस के हादसे के बाद इतनी ताकत नहीं रही है कि बीमारी का मुकाबला कर सकें। इसके लिये आपने क्या किया ? क्या आपके सामने कोई प्रपोजल है कि—अगर गैरमामूली बाकया हुआ है तो गैरमामूली इंतजामात करने पड़ेंगे—कि क्या अलग से कोई अथारिटी इन चीजों को देखने के लिये बनायेंगे ।

श्री शिवराज पाटिल : श्रीमन, भोपाल में जो कुछ हुआ उसके लिये हम सब लोगों को दुख है, हम लोगों को ही नहीं, सारे संसार के लोगों को दुख है । भोपाल में जो हुआ उससे बहुत सारे लेसन्स लिए जा सकते हैं और उस दृष्टि से सोच-विचार किया जा रहा है ।

जहां तक भोपाल में लेक के पानी का सवाल है, मुझे बताया गया है कि वह पानी पीने के काबिल है—मुझे मालूम नहीं है कि है या नहीं, लेकिन मेरी इनफारमेशन यह है । दूसरा यह है कि जब पीने के पानी का सवाल आता है तो उसकी जांच पड़ताल की जाती है और यह वहां के लोकल कारपोरेशन और लोकल गवर्नमेंट का काम होता है। इस संबंध में मैं इतना कहना

चाहूंगा कि इकोलोजी और एनवाइरनमेंटल पोल्यूशन के जो प्रश्न हैं वह बहुत बड़े प्रश्न हैं । इसलिये हम सेंट्रल गवर्नमेंट के लेवल पर बहुत विचार कर रहे हैं । उसके लिये डिपार्टमेंट भी बना है, लेकिन यह जो काम है यह अलग-अलग स्तर पर, अगल-अगल एजेंसीज की मार्फत होना है । इस काम में स्टेट गवर्नमेंट की मदद की भी जरूरत है और कारपोरेशन की मदद की भी जरूरत है। हमारे सेंट्रल गवर्नमेंट के अफसर हर म्युनिसिपेलिटी में या कारपोरेशन में तो नहीं पहुंच सकते, लेकिन ऐसी कोई चीज हो तो जांच पड़ताल कर सकते हैं । भोपाल के सवाल पर हम खास तौर पर ध्यान दे भी रहे हैं ।

श्री राजीव गांधी : मैं यहां थोड़ा एड कर दूं । जो एक्ट अभी लागू है उसमें काफी कमियां है और स्टेट गवर्नमेंट को एक्शन लेना पड़ता है । हमने दोनों हाउसेज में एनाउन्स किया है कि हम काम्प्रीहेंसिव एक्ट लाने वाले हैं जिसमें खाली स्टेट गवर्नमेंट ही नहीं बल्कि इंडीविजुअल भी एक्शन ले जायगा कोई पोल्यूशन पानी में या हवा में होने पर ।

भारत में सैनिक गुप्तचरी संबंधी गतिविधियों के लिए अमरीका और पाकिस्तान के बीच सांठ-गांठ

*353. **श्री प्यारेलाल खंडेलवाल :** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार के पास ऐसी कोई सूचना है कि अमरीका और पाकिस्तान के बीच भारत में सैनिक गुप्तचरी के कामों में सांठ गांठ हो गई है ; और

(ख) क्या प्रधान मंत्री ने हाल की अमरीका यात्रा के दौरान अमरीका के राष्ट्रपति के साथ इस बारे में कोई चर्चा की थी ; यदि हां, तो चर्चा में अमरीकी सरकार का क्या रुख था ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के०आर० नारायनन) : (क) जी, नहीं ।

(ख) जी, नहीं ।

श्री प्यारे लाल खंडेलवाल : सभापति जी, रक्षा संस्थान के विशेषज्ञों ने इस बात पर चिन्ता व्यक्त की है कि पाकिस्तान और अमरीका में सैनिक गुप्तचरी में भागीदारी की संभावना है और इसके लिये पाकिस्तान को नए हथियार उपलब्ध हो गए हैं और उसके कारण उसकी शक्ति भी बढ़ गई है। पाकिस्तान की सैनिक क्षमता इसके कारण बढ़ जाने से भारत की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है और अमरीका की जो सैनिक शक्ति है, उसके जो 135 सी० आर० विमान आपरेशन में लाये जाते हैं, ऐसी स्थिति में भारत की रण नीति अपनी रक्षा के लिये क्या होगी ? गुप्तचरी के कारण जो पाकिस्तान को भारत की जानकारियां सैनिक तैयारियों की मिलेगी उसके बचाव के लिये क्या तरीका होगा, यह मैं जानना चाहता हूं ।

SHRI K. R. NARAYANAN : The Government is taking every possible precaution against such dangers.

SHRI JASWANT SINGH : Mr. Chairman, Sir, I would like to enquire of the hon. Minister whether the Government of India has sought an assurance from the U.S. Government that as a part of the U.S.—Pak Security Pact there will be no sharing of such military intelligence between the United States and Pakistan as relates directly and only to Indo-Pak matters. Have you sought such an assurance from the U.S. Government and what has been the response of the U.S. Government? Finally, do you find that response as satisfactory and what is your reaction to the response of the U.S. Government?

MR. CHAIRMAN : You have stopped at one thing. You should have asked: "What is the reaction of the U.S., Government to your response?"

SHRI JASWANT SINGH: I am not interested. I am really not interested in how the U.S. Government would react. I am really only interested in how my Government is reacting to their response.